मैं संजय माथुर एल्कोहॉलिक्स एनॉनिमस
का एक सदस्य हूं तथा लगभग तेरह साल से
शराब से दूर हूं। मेरे अनुभव है कि सामान्य परिस्थिति
मे मेरा बचपन व्यतीत हुआ। मैं बहुत मेधावी छात्र नही
था लेकिन जिस भी क्षेत्र मे मेरी रुचि होती थी उसमे
मैं सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करता था। मैं कॉलेज के जमाने
से मैं तो कभी कभार शौकिया तौर पर पीता था
लेकिन जब मैं मुंबई छोड़कर भोपाल आया तब मेरे
शराब पीने की धीरे-2 शुरुआत हुई तथा फिर यह
आदत बढ़ने लगी और दो तीन साल मे एक दम बढ़
गई तथा मैं दिन रात शराब पीने लगा। फिर
यह मेरी लत मे आ गया और मैं अगर नही भी
पीता तो पूरा समय शराब पीने और लाने की ही
सोचता। मैंने शराब छोड़ने की अनेकों कोशिशे की
लेकिन वह कारगर सिद्ध नही हुआ। इस
वजह से मैं शारीरिक मानसिक और आर्थिक
रूप से कमजोर हो गया। मेरे अंदर आत्महत्या
के विचार आने लगे फिर मेरा संपर्क एल्कोहॉलिक्स
एनॉनिमस से हुआ और फिर मैं रोजाना मीटिंग मे
जाने लगा जिससे मुझे इस बीमारी और इससे जुड़ी
हुई अन्य लक्षणों के बारे मे जानकारी मिली
एल्कोहॉलिक्स एनॉनिमस के सदस्यों ने मुझे पूरी
इस लत से छुटकारा दिलाने मे बहुत भावनात्मक
बल दिया जिससे मैं धीरे-2 शराब से दूर हो
गया तथा उस दिन के बाद से आज तक लगभग
तेरह वर्षों से सोबर हूं अर्थात शराब से दूर हूं
तथा आज इसकी वजह से खुशहाल जीवन व्यतीत
कर अपनी जिम्मेदारियाँ निभा रहा हूं।